Registration No. RAJBIL/2016/69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

लघु उद्योग भारती

# UDYOG TIMES

Volume - 6 Issue - 06 April 2023
Total Pages - 20 Price - Rs. 10

## जम्मू-कश्मीर विशेषांक

# आबाद होने को बेताब वादियां

LUB's Chhattisgarh State Unit organized EC for Important Discussion on MSMEs Problems, Solutions and New Opportunities under Able Guidance of National Organizing Secretary Shri Prakash Chandra ji at Raipur on 7th April, 2023.

LUB's Vadodara District Unit Organized a Meeting Recent Developments in MSMEs in presence of National President Shri Baldevbhai Prajapati, State President Shri Shyam Sundar Saluja & State GS Shri Ishwar Sajjan on 10th April, 2023.

LUB's National President Shri Baldevbhai Prajapati appreciated President Shri Mehulbhai Patel and Team Vapi for Completing the Wonderful Task of 500 Membership on 20th April, 2023.

LUB's Andaman & Nicobar Unit Organized an Awareness Program on Public Procurement Policy, Delayed Payment & Champions Portal at Port Blair on 20th April, 2023.

LUB's Jharkhand State Unit & Adityapur Small Scale Industrial Area (ASIA) jointly conducted a Blood Donation Camp and Collected 454 Blood Units with out-standing Cooperation of State GS Shri Vijay Chhapariya, President Ranchi Unit Shri Lalit Kedia and Shri Prakash Hetampuriya.

LUB's Agra Unit celebrated 30th Foundation Day in presence of CGST Commissioner Shri Sharad Shrivastav, Director BOB Shri Ajay Singhal, Head MSME Shri Devashish Bhattacharya, LUB's National Joint GS Shri Rakesh Garg & State VP Shri Deepak Agarwal on 26th April.

# UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

**Volume -6** **Issue - 06** **April, 2023**



## Editorial Board

- **Patron**

| | |
|---|---|
| Shri (Dr.) Krishna Gopal ji, Sampark Adhikari | |
| Shri Prakash Chandra, National Org. Secretary | 094685-78166 |
| Shri Baldevbhai Prajapati National President | 098241-55666 |
| Shri Ghanshyam Ojha, National Gen. Secretary | 098290-22896 |

- **Publisher**

| | |
|---|---|
| Om Prakash Mittal, Past President | 094140-51265 |

- **Editor**

| | |
|---|---|
| Dr. Kirti Kumar Jain | 094141-90383 |

- **Associate Editor**

| | |
|---|---|
| Mahendra Kumar Khurana | 098290-68865 |

- **Co-Editor**

| | |
|---|---|
| Dr. Sanjay Mishra | 098295-58069 |


## विवरणिका


| | |
|---|---|
| **Editorial** | 03-03 |
| **जम्मू-कश्मीर में उद्योगों के लिए खुले हैं नए रास्ते..** | 06-06 |
| **जम्मू-कश्मीर सारे देश के साथ कदम मिलाकर...** | 07-09 |
| **J&K is proposing a New Policy for ....** | 10-10 |
| **News Update ....** | 11-11 |
| **LUB's News in Brief....** | 12-18 |



***Price - 10/-*** ***Life Membership 1000/-***

An In-House Monthly Magazine of Laghu Udyog Bharati published by Om Prakash Mittal
Mail: opmittal10256@gmail.com Web : www.lubindia.com

**Corporate Office & Head Office :**
Plot No. 48, Deendayal Upadhyay Marg,
New Delhi-110002
Ph.: 011-23238582

**Registered Office :**
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552


# Foreign Trade Policy

**Editorial**


**Dr. Kirti Kumar Jain**
kkjain383@gmail.com


Centre Govt. released the Foreign Trade Policy 2023 recently. The term of the last FTP (2015-20) ended in March 2020 and now the new one, delayed due to the pandemic, aims to almost triple the country's overall exports with goods and services both, up to $2 trillion by 2030, from an estimated $760 billion in the current fiscal year 2022 -23. The target is ambitious, but seems to be acheaved.

The new FTP is based mainly on four pillars - shift from incentives to remissions of taxes, collaborative approach to promote exports, push ease of doing business and focus on emerging areas. The first one is quite on expected line, with India's export subsidy schemes increasingly coming under WTO scanner. Second, an effort to promote exports through collaboration with exporters, states, districts, and Missions can result in great benefits if implemented effectively.

The new strategy will focus further on ease of doing business by digitising applications, cutting down application processing time and lowering transaction costs for the export sector. It is also a welcome decision to explore emerging opportunities such as e-commerce, transforming districts into export hubs and streamlining SCOMET policy. These policies will help the sector to keep pace with changing time.

Although some are pointing out that the larger macro-economic picture has not been considered under the new FTP. It somewhat lacks depth, thoroughness and comprehensive analysis.

Experts also view those structural changes in post-Covid global export order has not been taken into account. We hope, the new FTP will be supplemented with other effective policy measures time to time in coming days.

I invite your opinions.

# जम्मू-कश्मीर में उद्योगों के लिए खुले हैं नए रास्ते

## (एक आजादी 1947 में मिली और दूसरी 2019 में आर्टिकल 370 के निष्प्रभावी होने से धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला जम्मू-कश्मीर अब राष्ट्र की मुख्यधारा में निरंतर गतिशील है)

**युग-परिवर्तन**

***मनोज सिन्हा***

*मान्य उप राज्यपाल, जम्मू-कश्मीर*

*(23 अप्रैल को लघु उद्योग भारती, जम्मू-कश्मीर द्वारा जम्मू में आयोजित उद्यमी एवं निवेशक सम्मेलन में दिये उद्बोधन के संपादित अंश)*

आदरणीय डॉ. कृष्णगोपाल जी, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रजापति जी, जम्मू-कश्मीर प्रशासन के प्रमुख सचिव प्रशांत गोयल जी, लघु उद्योग भारती, जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष एवं सभागार में उपस्थित रीजनल कॉन्फ्रेंस जम्मू में हिस्सा ले रहे भाइयों एवं बहनों, मैं आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूं।

उद्योगों के विकास पर केंद्रित रीजनल कॉन्फ्रेंस से इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में रहा। कश्मीर में पहला फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट, शॉपिंग मॉल के रूप में नगर में आया, 10 लाख स्क्वायर फुट का एक श्रीनगर में भी बना रहे है । श्रीनगर और जम्मू दोनों शहरों में। देश-विदेश की बड़ी जानी-मानी कंपनियां रुचि रख रही हैं। साढ़े तीन वर्षों में कश्मीर में बड़ा बदलाव हुआ।

5 अगस्त को भारत के सम्माननीय प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनैतिक इच्छा शक्ति के कारण नया मोड़ आया। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इस दिन जम्मू कश्मीर के लिए नया युग प्रारंभ हुआ। गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का भी विशेष आभार कि उनके विजन से घाटी की फिजा बदल रही है. लोग बहुत रूचि लेकर अपनी स्कीम बना रहे हैं। आपने सुना, देखा इसलिए मैं उसके विस्तार में नहीं जाना चाहता हूं। लेकिन ये बात मैं बड़ी जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि देश के किसी भी राज्य में संसाधन इतना नहीं है जो आज जम्मू कश्मीर में है। इसके कारण हमारे यहां

नए रास्त खुल ह। आम नागारक का आकाक्षाआ का पूरा करन क लिए प्रशासन कोशिश कर रहा है। व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए इंडस्ट्री का मतलब है आर्थिक विकास द्वारा सामाजिक उद्धार और समावेशी विकास।

साथ में मैं ये कहना चाहूंगा कि इंडस्ट्री ही किसी भी क्षेत्र की रीढ़ होती है, जो नागरिकों को स्वावलंबी और उनके जीवनस्तर को बेहतर बना सकती। ऐसा वातावरण बनाने की कोशिश हो रही है। आप सबको पता है, मैं इतिहास में नहीं जाना चाहता हूं, लेकिन यह सच है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे जीवंत एवं गतिशील शक्ति बन कर उभर रहा। न सिर्फ उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर में भी सबसे ज्यादा वृद्धि कर रहा। 2020 में ही देश में सेक्स की परिभाषा को बदला गया। नए मानदंड भारत सरकार ने विकसित किए और अनेक नीतिगत पहल के माध्यम से कैसे सशक्त हो सकती है इसकी कोशिश की गई।

आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए, तो पूरे देश में 633 लाख से ज्यादा एमएसएमई हैं और भारत वर्ष के ग्रोथ इंजन के रूप में जीडीपी में एमएसएमई का योगदान 32 प्रतिशत से ज्यादा है। भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक 2020 में पोर्टल लॉन्च होने के पश्चात जम्मू कश्मीर में 2 लाख से ज्यादा एमएसएमई यूनिट्स रजिस्टर्ड हुईं।

आज हमारे जम्मू कश्मीर में 38,000 से ज्यादा माइक्रो स्माल इंटरप्राइजेस हमारी बहनें चला रहीं। पिछले वित्त वर्ष में जम्मू कश्मीर में 18,000 से ज्यादा वूमेन और एंटरप्राइज को सैंकड़ों करोड़ से अधिक की धनराशि क्रेडिट गारंटी स्कीम के तहत दी गई। एमएसएमई प्रोडक्ट्स का जम्मू-कश्मीर यूनियन टेरिटरी में विस्तार हो, इसके लिए कुछ महीने पहले प्रशासन ने एक बड़ा निर्णय लिया और सभी सरकारी विभागों एवं पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग जो यहां नाममात्र की है अनिवार्य कर दिया गया है कि वह अपने कुल प्रोक्योरमेंट का 25 फीसदी एमएसएमई से ही खरीदेगा। जीओएम में लोकल फिल्टर भी आपरेशनल किया गया है ताकि स्थानीय एमएसएमई को बढ़ावा दिया जा सके।

मुझे याद है मैं नया-नया आया था। आप में से भी कुछ लोग आए थे। कोविड के दौरान एक बड़ी मदद लोगों को साबित हुई थी। एमएसएमई मिनिस्ट्री के साथ इस साल जनवरी में स्कीम शुरू करने के लिए एक समझौता भी हमने किया है। इसके जरिए OROP को लागू करने में हमें मदद मिलेगी। सभी एमएसएमई के लिए क्रेडिट टैक्सेस और मार्केट टैक्स यह दोनों सुनिश्चित किया जा सकेगा। मैं बहुत विस्तार से उसे दोहराना नहीं चाहता हूं। जीएसटी रिम्बर्समेंट ये सब चीजें आप देखेंगे। गत वर्ष हमने कॉमर्स मिनिस्ट्री के साथ इसी के आधार पर ओपन नेट और डिजिटल कॉमर्स के साथ भी समझौता किया। छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को ट्रांजेक्शन में सहूलियत प्रदान करें। कुल मिलाकर अगले कुछ वर्षों में इंडस्ट्रियल इस्टेट। पूरी तरह से फंक्शनल हो जाएंगे। इसमें 34 इण्डस्ट्रियल स्टेट का फोकस एमएसएमई ही होगा।

कुल मिलाकर ऐसा इंटीग्रेटेड प्रयास किया जाना है जिससे एमएसएमई को आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। उनके संचालन में परेशानी न हो। पूरे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के परिदृश्य पर नजर डालेंगे, तो मैं कह सकता हूं कि 70,000 करोड़ से ज्यादा के पाँच हज़ार 372 प्रस्ताव हम को प्राप्त हुए हैं। फीस जमा की है और धरातल पर भी मैं उम्मीद करता हूं। अभी 20,000 करोड़ से ज्यादा के काम चल रहे हैं। दिक्कत हमारी थीं, जिन्हें दूर किया गया है।

याद है, कई लोग मजाक में कहते थे कि लैंड रेकार्ड महाभारत काल में दुरूस्त रहे होते, तो शायद पांडवों और कौरवों का युद्ध ही नहीं हुआ होता। उससे भी थोड़ा दो कदम आगे थे। कुछ ही लोग

थे जो लैंड रिकॉर्ड की भाषा समझते थे। प्रसिद्ध साहित्यकार हुए श्रीलाल शुक्ल। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के एक सरकारी अधिकारी थे। और उनकी एक बड़ी प्रसिद्ध पुस्तक है। उसमें एक पात्र है लंगड़। रागदरबारी और बड़ी प्रसिद्ध किताबें आप में से कुछ ने तो देखी-पढ़ी होगा। लंगड़ का मतलब एक पैर का खराब होना है। उसको अपना रेवेन्यू रेकार्ड चाहिए था। इतनी दौड़ लगाई, इतनी दौड़ लगाई तहसील में कि उसे लगा कि दूसरा पैर भी खराब हो जाएगा। और आख़िरकार उसने जाना ही बंद कर दिया। खराब स्थिति यहां पर भी थी। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। डिजिटाइजेशन कर दिया गया है। पासबुक, हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू तीनों भाषाओं में उपलब्ध करा दिए गए हैं।

जो डेढ सौ के आसपास की संख्या में थे वे चीफ सेक्रेटरी और कलक्टर से भी ज्यादा पावरफुल थे। थोड़ी परेशानी जरूर हुई है और परेशानी होनी भी चाहिए। इंडस्ट्रियल एस्टेट का निर्माण तेज गति से चला है। जमीन की दिक्कत थी। अभी तक यहां लगभग 5 लाख कैनाल सरकारी जमीन पर रसूखदार लोगों ने कब्जा कर लिया था। बिना कानूनी। वो खाली होंगे जो बड़ी जमीन है।

मैं आपको बताना चाहता हूं कि जमीन इंडस्ट्री के लिए ही दी जाए। छोटी जमीन गांव के पास है वो खेल के मैदान के लिए दी जाए। स्कूल बनाना है, अस्पताल बनाना है। मुझे लगता है कि अभी कुछ लोग हैं जो अभी भी दबाकर बैठे हैं। लेकिन हिसाब उनका भी पूरा किया जाएगा। जैसा हमारी इंडस्ट्री सेक्रेटरी ने बताया, सबसे बेहतरीन इंसेंटिव हम जम्मू-कश्मीर में दे रहे हैं। साथ ही कनेक्टिविटी का एक बड़ा हिस्सा जिसके बारे में आपको जानना जरूरी है। आज एक सवा लाख करोड़ से ज्यादा के रोड, हाईवे और टनल के काम हमारे यहां चल रहे हैं। अभी जो पटना-दिल्ली ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे बन रही है। वो आने वाले दिनों में पूरी हो जाएगी। श्रीनगर जब मैं आया था, तो 10 घंटे से ज्यादा लगता था। अब पांच, साढ़े-पांच घंटे में आराम से पहुंच जाते हैं और एक साल बाद जम्मू से श्रीनगर अधिकतम चार घंटे में कोई भी पहुंच जाएगा। चार रेल कनेक्टिविटी। इस साल के अंत तक यह प्रारंभ हो जाएगी।

मुझे स्मरण है जब मैं 2020 में आया था श्रीनगर से 36 फ्लाइट ऑपरेट होती थी और जम्मू तो लोग आना ही नहीं चाहते थे। लेकिन एक फैसले ने स्थिति को बदल दिया। टर्बाइन फ्यूल पर वैट लगता था जो 22. 5 था। एक झटके में हमने उसे घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया। हमारे अफसरों ने कहा कि बड़ा नुकसान होगा। अमन का नुकसान होगा। और आज श्रीनगर से 108 और जम्मू से 36 फ्लाइट ऑपरेट हो रही। कुछ दिनों में और बढ़ने वाली है। जनवरी से इंटरनेशनल फ्लाइट भी चालू हो गई है। रात को 10 बजे भी जम्मू से आप जा सकें। एयर कार्गो की फैसिलिटी भी है।

सिंगल विंडो क्लीयरेंस या बिजनेस इन्वेस्टमेंट बाकी राज्यों से बेहतर स्थिति में है। बिजली भी विकसित राज्यों से आधे दर पर उपलब्ध है। इलेक्ट्रिसिटी जनरेशन कैपेसिटी हमारी 350 मेगावाट

है जो छह नए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हमारे हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि 70 साल में जितनी बिजली बनी थी, 2025 के पहले उतनी बिजली और जम्मू-कश्मीर में बनने लगेगी। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में भी पिछले दो वर्षों में काफी महत्वपूर्ण काम किए हैं और एक दिक्कत हमारी रहती है कि जब पानी कम होता है तो हम को पीक आवर डिमांड मुश्किल होती है तो उसके लिए 500 मेगावाट सोलर पावर के निर्माण का काम भी हो रहा है तो पावर की दृष्टि से भी जम्मू-कश्मीर सेल्फ लाइन है।

प्राकृतिक संसाधन तो यहां का अद्भुत है, अनोखा है देश के बाकी राज्यों की तुलना में। मानव संसाधन भी पर्याप्त है। अगस्त 2019 के बाद एक नई व्यवस्था भी स्थापित हुई। 7 अगस्त 2020 को श्रीनगर आया था। 28 अक्टूबर की तारीख मुझे कभी भूलती नहीं है। चीफ सेक्रेटरी सुब्रमण्यम थे। सवाल दरबार मूव हो रहा है। उनका क्या होगा? 217 ट्रकों में फाइलें लदकर श्रीनगर से जम्मू आ रही थी। हमने ई-गवर्नेंस पर काम शुरू किया।

स्वच्छ, पारदर्शी और कारगर व्यवस्था यहां हो, इसकी कोशिश की जा रही है। भ्रष्टाचार मुक्त शासन ये केवल नारा नहीं है, हमारे लिए प्रतिबद्धता है और ऐसी कार्य-संस्कृति हम सब विकसित करना चाहते हैं। इंडस्ट्री के विकास के लिए नॉलेज कनेक्टिविटी, फिजिकल कनेक्टिविटी, डिजिटल कनेक्टिविटी। तीनों क्षेत्रों में जम्मू कश्मीर शानदार प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहा है। आज नीति आयोग की रैंकिंग में अनेक राज्यों से बेहतर स्थिति में जेएंडके है। सारे प्रीमियर इंस्टीट्यूशंस जम्मू में हैं आईआईएम, एम्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी भी है, जो देश में किसी भी महानगर में सुलभ नहीं। शिक्षा, पेयजल, बिजली, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचागत सुविधाएं, बैंकिंग सुविधाएं इन मामलों में भी बड़ा बदलाव करने की कोशिश की गई है। विकास की प्रक्रिया को समावेशी बना कर समाज में स्थिरता स्थापित करने का प्रयास किया गया।

प्रोजेक्ट पूरा करने की रफ्तार भी थोड़ी बढ़ गई। पिछले साल 70,000 से ज्यादा प्रोजेक्ट इस वित्तीय वर्ष में पूरे किए। अर्थव्यवस्था को कारगर बनाने के लिए विलेज इंडस्ट्रियल यूनिट और सेल्फ हेल्प ग्रुप पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। एक आंकड़ा मैं जरूर बताना चाहता हूं 2021 -22 का। आबादी बड़ी

छोटी है। पीएमईजीपी के अंतर्गत 1646 यूनिट जम्मू कश्मीर में लगी और उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर था और मध्यप्रदेश तीसरे स्थान। दो वर्षों में अनेक प्रकार के रिफार्म किए गए हैं। ऊर्जा का संचार हो इसकी कोशिश हो रही है। हम इस ऊर्जा को ऐसा स्थायित्व देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो उद्यमों के लिए मददगार हो और उद्यमशीलता का विकास भी हो। हैदराबाद के बाद जम्मू कश्मीर का उधमपुर दूसरा शहर शहर होगा जहां महिला उद्यमियों के लिए इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाई जाएगी। वह उधमपुर इंडस्ट्रियल एस्टेट महिलाओं के लिए आरक्षित है।

आज मैं कह सकता हूं कि देश की संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश कर रहा है। अभी हमने एक हाई पावर कमेटी बनाई थी। एग्रीकल्चर और अलाइड सेक्टर से 13 लाख परिवार जुड़े हैं। जम्मू कश्मीर में 2,62,000 मार्जिनल किसान हैं। इनके जीवन को कैसे बदला जा सकता है। समिति ने प्रस्तुतीकरण किया। और पाँच हज़ार 13 करोड़ एकमुश्त बजट के अलावा एग्रीकल्चर और एलाइड सेक्टर में आने वाले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर प्रशासन खर्च करेगा।

मैं मानता हूं कि कई क्षेत्रों में ढाई गुना से तीन गुना बढ़ोतरी हम करने जा रहे। टैगिंग को लेकर। जम्मू की पहली पेंटिंग है जिसे जीआई टैग मिला है। मैं कारपेट और पश्मीना के बारे में जरूर जिक्र करूंगा। एक समय था जब एक्सपोर्ट बहुत होता था। बीच में कठिनाई आई थी। जब से जीआई टैग और क्यूआर कोड का प्रबंध हुआ है तो अपार संभावनाएं खुल गई हैं। ह्यूमन कैपिटल विकसित करने की भरपूर कोशिश की गई है। जम्मू कश्मीर देश में एक महत्वपूर्ण इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में उभर कर सामने आए। इसकी कोशिश हो रही है। मुझे यकीन है जम्मू कश्मीर में औद्योगिक विकास। अधिक समावेशी, रचनात्मक और टिकाऊ समाज बनाने में योगदान दे सकेगा। और जम्मू कश्मीर भी भारत के विकास के नए इंजन के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा।

बाहर से जो प्रतिनिधि हैं उनसे मैं जरूर कहना चाहता हूं कि आप आइए। बिजनेस फ्रेंडली वातावरण बना है। निवेश करिए। जम्मू कश्मीर में निवेश केवल व्यापार और रोजगार के लिए नहीं। लघु उद्योग भारती में आप काम करते हैं। मैं उनसे विशेष रूप से कहना चाहता हूं। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अविभाज्य अंग है। संसद का प्रस्ताव 5 अगस्त 2019 को एक ऐतिहासिक निर्णय देश की संसद ने किया। अब देश के बाकी हिस्से के नागरिकों का भी ये नैतिक दायित्व है कि वे जम्मू कश्मीर को पूरे भारत के साथ, एकात्मता के साथ जोड़ने में आगे आएं। मैं रीजनल कांफ्रेंस इन्वेस्टर्स मीट को आयोजित करने के लिए लघु उद्योग भारती के मित्रों के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। दो पंक्तिया का अपनी बात खतम करूँगा। कुछ लोग समझायेंगे वो खौफ दिलाएंगे। जो है वो भी खो सकता है। पर तुम जिस लम्हे में जिन्दा हो, वह लम्हा तुमसे ज़िंदा है। तुम अपनी करनी कर गुजरो। जो होगा, देखा जायेगा। □□□

# जम्मू-कश्मीर सारे देश के साथ कदम मिलाकर तेजी से आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है

**(आतंक और अन्धकार से परे ये कश्मीर की नई सुबह है जिसमें उद्योग, निवेश और नौकरी की चर्चा है. सभी भारतीयों का दायित्व है कि वे इस प्रक्रिया में अपना यथेष्ट योगदान दें और जम्मू-कश्मीर के लोगों के जीवन को और सुन्दर बनायें )**

दिग्दर्शन

***डॉ. कृष्ण गोपाल***
*मान्य सह सर कार्यवाह*
*राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ*

*(23 अप्रेल को लघु उद्योग भारती जम्मू- कश्मीर द्वारा जम्मू मे आयोजित उद्यमी एवं निवेशक सम्मेलन मे दिये उद्बोधन के संपादित अंश)*

इस वर्ग से आये हुए कार्यकर्ता बंधु गण, उद्योग जगत से जुड़े हुए अन्य उत्साही उद्यमी बंधु एवं बहनों। आज यह जो सम्मेलन हो रहा है अगर 70 वर्ष पहले होता, तो कितना अच्छा होता। लेकिन इतिहास को हम सब लोग जानते हैं। जैसे-जैसे इतिहास घूमा। परिस्थितियां कठिन हुई। जम्मू कश्मीर की जो। एक विशेष समस्या थी। उसके समाधान करने में इतना लंबा समय बीत गया। और वो समाधान हुआ है तो एक के बाद एक नए कदम हम उठा रहे हैं। और जम्मू और कश्मीर सारे देश के साथ कदम मिलाकर तेजी से आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है।

कॉन्क्लेव में लेफ्टिनेंट गवर्नर साहब ने अनेक बिंदु हमारे सामने रखे हैं। और उसके पहले श्रीमान प्रशांत गोयल जी ने भी बहुत सारे मुद्दों पर चर्चा की। जम्मू कश्मीर की वर्तमान की बदलती हुई उत्साहजनक परिस्थिति है। वो भी हमारे सबके ध्यान में आया होगा। आजादी के बाद देश ने तेजी से प्रगति प्रारंभ की। 1950 में नया संविधान आया और पंचवर्षीय योजनाएं बनीं। एजुकेशन, इंडस्ट्रीज, मेडिकल एजुकेशन आदि। सारा देश एक नई गति लेकर के आगे बढ़ा था। देश में अनेक बड़े शहर पिछले 75 वर्षों में डेवलप हो गए। जब भारी औद्योगीकरण हो रहा था। बैंगलोर, गुरुग्राम, मुंबई, नोएडा, राजकोट, सूरत, चेन्नई, कोलकाता और भी बहुत सारे। एक-एक शहर में लाखों एम्प्लॉईस है। जहाँ ऐसी अनुकूलता आ गई। राज्य सरकार, केंद्र सरकारों ने मिल करके फैसिलिटेट किया। और वहाँ पर उद्योग एकदम तेजी से बढ़ते चले गए। बैंगलोर लगभग डेढ़ करोड़ आबादी का बड़ा शहर हो गया। बेंगलुरु में सारे देश के लोग पहुँच गए। और सबने मिलकर बैंगलोर को एक बड़ा हब बना दिया। सारे देश के उद्योगपति अपनी क्षमता के साथ उन शहरों में अपनी इंडस्ट्री को लेकर पहुँच गए थे। सारे देश का एक विकास हो रहा था। अगर हमसे पूछा जाए जम्मू कश्मीर में कौन सा शहर डेवलप हुआ? तो हमारे सामने एक प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

स्वतंत्रता के बाद के कुछ वर्षों में देश के कुछ प्रांतों का विकास तेजी से हुआ। लेकिन कुछ किसी भी प्रकार से पिछड़ गए। वे भी सामने तेजी से आगे बढ़ रहे। कोई बहुत छोटे और दूरस्थ प्रांत है मणिपुर और त्रिपुरा। वो भी सही से आगे कदम बढ़ा रहे हैं और डबल डिजिट की ग्रोथ रेट के साथ। असम में नए पुल बन रहे हैं ब्रह्मपुत्र के ऊपर। रेलवे लाइन दूर-दूर तक पहुँच रही। नया हवाई

अड्डा असम में आ रहा है। इधर पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी इंडस्ट्री जा रही। ओडिशा छत्तीसगढ़ झारखण्ड भी आगे बढ़ रहा है। अब थर्ड फेज जो हम देख रहे हैं। तब ध्यान में आता है देश का विकास। ये समग्रता में और सम्यक होना चाहिए। किसी भी देश की उन्नति नहीं मानी जा सकती, जब तक एक कोई बड़ा क्षेत्र उस उन्नति से पीछे रह जाए। सारे देश का सम्यक विकास चाहिए।

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आगे बढ़े तो गुजरात, महाराष्ट्र,पंजाब, राजस्थान ये भी आगे बढ़े। मणिपुर, त्रिपुरा,असम वो भी आगे बढ़े और इधर उत्तर प्रदेश हैं, हमारा जम्मू कश्मीर हैं, यह भी आगे बढ़े। ये एक सच्चे देशभक्त की भी इच्छा होती है। सारे देश के विकास को ठीक प्रकार से देखना चाहता है। देश का कोई भी हिस्सा अविकसित ना रह जाए। संवैधानिक प्रावधान अब ठीक हुए हैं। पिछले दो तीन वर्षों तक सावधानी से आपने देखा होगा। जो उद्योग जगत से जुड़े लोग हैं, बहुत धैर्य से देखते हैं? कम उनको इन्वेस्टमेंट करना होता है। उनको थोड़ा डर लगता है। थोड़ा संकोच होता है। हम इतना पैसा लगाएंगे, गड़बड़ तो नहीं होगी? हमारी लाइफ की सिक्योरिटी रहेगी कि नहीं। धीरे-धीरे जम्मू-कश्मीर का लॉ एंड ऑर्डर में सुधार आया है।

उद्योग जगत के लिए यहाँ कितने प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही। सुनकर थोड़ा आश्चर्य भी हुआ। पावर का जो रेट है वो छोटे इंडस्ट्री के लिए केवल 3.60 रु है। नए एअरपोर्ट और इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारा जा रहा है। सिंगल विंडो सुविधा और वर्क पॉपुलेशन भी बड़ी अच्छी संख्या में यहाँ पर है। उच्च शिक्षा के केंद्र हैं बस अब आवश्यकता है कि सारा देश इस जिम्मेदारी को निभाएं। और यहाँ के लोगों को अच्छे रोजगार उपलब्ध कराएं। जीडीपी में तेजी से वृद्धि हो सकती है। लैंड अलॉटमेंट डीसी को ही अधिकार है। सारे देश में ये कम स्थानों पर ही होगा। लैंड यूज बदलने के लिए फाइल जाती है राजधानी को, वो कैबिनेट उसको पास करता है। लेकिन यहाँ पर डीसी को यह अधिकार दिए गए। डीड्स 99 वर्षों की हो रही है ये भी एक अच्छा और सुखद चेंज आप लोगों को देखने में आया होगा। इंट्रेस्ट का रेट भी कम है।

हर क्षेत्र की तरह यहाँ की भी अपनी क्लाइमेटिक विशेषताएं हैं जिसमें प्रकृति, फ्लोरा फोना आदि शामिल है। हॉर्टिकल्चर का बड़ा काम है। मेडिसिनल प्लांट्स का बहुत अच्छा काम हो सकता है। यहाँ शॉल इंडस्ट्री विश्व विख्यात है। बेरोजगार नौजवानों की संख्या भी पर्याप्त है। अनेक प्रकार की इंडस्ट्री को लेकर के हम आगे आ सकते हैं। यहाँ पर गारमेंट्स, हॉर्टिकल्चर, फूड प्रोसेसिंग की यूनिट्स आ सकती है।

टूरिज्म से जुड़े हुए अनेक काम जोड़ सकते हैं। मतलब 2 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट हर वर्ष यहाँ आते हैं। हैंडीक्राफ्ट और एजुकेशन का काम यहाँ अच्छे से बढ़ सकता है। अब सारे देश की जिम्मेदारी है। जिस तरह से बैंगलोर, मुंबई, गुरुग्राम और नोएडा में आप सबने इंडस्ट्रीज लगाकर उन शहरों को डेवलप्ड इन्डस्ट्रीअल टाउन बदल दिया जिनकी संख्या 100 सौ से ज्यादा है।

दुर्भाग्य ऐसा रहा कि हमारे जेएंडके में कोई भी ऐसा टाउन डेवलप नहीं हो सका। इसको हम हिम्मत से स्वीकार सकें। यहाँ के बच्चे पढ़ने और रोजगार के लिए भी बाहर दुनिया भर में जाते हैं। अब वातावरण बदला है। सब तरह की सुविधाएं इंडस्ट्री के लिए यहाँ पर उपलब्ध हैं। एक कुछ महीने पहले मैं श्रीनगर गया था। और श्रीनगर के लोगों को भी बात किया। किसी भी प्रकार का लोन का प्रॉब्लम दिखता ही नहीं। हम लोगों के परिवार के लोग भी श्रीनगर, पहलगांव और गुलमर्ग जाते हैं। कोई कहीं गड़बड़ी नहीं, ये एक शांत प्रदेश में बदल गया। अब पत्थर फेंकने वाले लोग नहीं दिखते। 500 रुपये लेकर पत्थर फेंकने वाले बच्चों को समझ में आ गया. जो बेचारा गरीब बालक रुपए 5000 ले करके बम रख करके आता था उसका कारण उसकी बेरोजगारी भी रही है। अपनी जान को जोखिम में डालकर भी काम करता है। अब समय आ गया है हम यहाँ के बच्चों को सुंदर और सम्मानजनक रोजगार दें । 60-70

वर्षों से जो एक फेज था, वह गुजर गया। हजारों हजारों वर्षों से हमारे देश के बारे में कहा और लिखा गया वैदिक काल से। कालीदास ने भी कहा था कि उत्तर दिशा में जो हिमालय है वहाँ से दक्षिण दिशा में जहाँ तक समुद्र है वहाँ तक भारत एक है। भारत एक है कश्मीर से कन्याकुमारी तक जो हम ऐसा कहते हैं, तो ये हमारी अंतरात्मा और भावनाओं के साथ और हम सुख और दुख के साथ एक हैं। और आज जब परिस्थितियां बदली हैं, अनुकूलता आई है, तो हमारे कश्मीर के बच्चों को भी अच्छा रोजगार मिले, अच्छी शिक्षा मिले, सम्मानजनक आनंद का जीवन मिले। और देश की प्रगति के साथ अपने को कदम मिला करके आगे बढ़ते हुए दिखाई दे। ये राष्ट्रीय एकता की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

लघु उद्योग भारती का काम सारे देश में बड़ा है। लघु उद्योग भारती केवल उद्योग ही नहीं चलाती, बल्कि राष्ट्रीय विचार भी देती है। और इसलिए ये लोग कभी गुवाहाटी, कभी दक्षिण भारत में, कभी पूर्वी भारत में, कभी पश्चिमी भारत में अपने सम्मेलन करते हैं और आज पहली बार जम्मू में एक संदेश लेकर आए हैं और एक संदेश देशभर में जा करके देने वाले हैं। मैं आप सभी जो लघु उद्योग भारती के कार्यकर्ता, बंधु और बहनें यहाँ उपस्थित हैं, मैं उनसे आग्रह करूँगा कि वे यहां का अध्ययन करें, लोगों से बातचीत करें। और कौन-सा उद्योग लग सकता है, उसकी योजना बना करके चिंतन के साथ जाए, वे लगा सकते हैं अच्छी बात है, वे नहीं लगा सकते, तो अपने मित्रों को यहाँ भेजें। जैसे हम लोग आगे बढ़ेंगे, तो निश्चित रूप से हम यहाँ के परिदृश्य को बदल देंगे। और जो 2019 में बड़ा कदम जो चिर प्रतीक्षित कदम था, वो उठाया है। यहाँ के हर बालक को, हर महिला को, हर वृद्ध को ये लगना चाहिए। वो एकदम हमारे जीवन में एक नई उमंग लेकर के आया। हमारे बच्चों को शिक्षा और रोजगार मिलेगा। हम सम्मानजनक, संपन्न जीवन जो आज सारा देश जी रहा है, हम भी उसमें आगे बढ़ेंगे। उग्रवाद से दूर शांति के साथ हम आगे बढ़ेंगे।

कश्मीर की कहानी हजारों वर्ष पुरानी कहानी है। कश्मीर हजारों वर्षों से ज्ञान का केंद्र था। यहाँ पर बड़े-बड़े विद्वान अध्ययन करने के लिए आते थे। शिक्षा के बड़े केंद्र यहाँ पर थे। योगायोग ऐसा हुआ, वो दृश्य बदला। और फिर से नए दृश्य के बदलने का अवसर है। कश्मीर ज्ञान का केंद्र बने, कश्मीर उत्पादन का केंद्र बने, कश्मीर संपन्न और शांति का केंद्र बने। कश्मीर की शॉल प्रसिद्ध है। यहाँ की केसर प्रसिद्ध है। इसके साथ यहाँ के उद्योग धंधे और यहाँ की शांति भी हो। कश्मीर के लोग अत्यंत शांतिप्रिय लोग थे। लेकिन पिछले 30-40 वर्षों में किस प्रकार से वातावरण बदला, इसके कारण जो समस्याएं आयी। हजारों वर्षों में यहाँ कभी झगड़े-दंगे के समाचार कश्मीर में कभी नहीं रहे। ऐसा कहा जाता है कि हमारे चुनार को आग लग गई। और कश्मीर सुलगने लगा।

इसके पीछे अनेक प्रकार के षड्यंत्र और विदेशी शक्तियां रहीं। बंधु बहनों, वो समय अब चला गया। सारा देश इस प्रकार से गतिमान होकर आगे बढ़ रहा है और इसमें अपने सारे देश को ही साथ लेकर के आगे बढ़ना है। जैसा मैंने प्रारंभ में बताया, मणिपुर, त्रिपुरा और असम भी बढ़ रहे हैं। मेघालय, अरुणाचल प्रदेश बढ़ रहा है, अंडमान निकोबार में भी नया परिवर्तन आ रहा है। कश्मीर क्यों पीछे रहेगा। कश्मीर हिम्मत से आगे बढ़ेगा।

आपके मन में जो प्रश्न हैं, उनका समाधान लीजिए और इस प्रदेश को खुशहाल, आनंदमय और संपन्न प्रदेश में बदलने का संकल्प ले कर अपने घरों को जाइए। आयोजन का यही सबसे बड़ा उद्देश्य है। मैं समझता हूँ यह बात पूरी होनी चाहिए। योगायोग से हमको ये भी ध्यान में रखना है कि हमारे यहाँ के जम्मू कश्मीर के जो लेफ्टिनेंट गवर्नर साहब है वो एमटेक है काशी हिंदू विश्वविद्यालय से। वो स्वयं टेक्नोलॉजी के मास्टर हैं। इंडस्ट्रीज़ के बारे में बारीकी से जानते हैं, उनका समाधान भी जानते हैं और इस काम में आपके साथ में कंधे से कंधा लगाकर के आगे बढ़ेंगे। इतना सुयोग कहाँ मिलेगा, जो यहाँ है।

# J&K is proposing a New Policy for Strengthening Start-up Ecosystem

**Prashant Goyal**

*Principal Secretary, Industries & Commerce Department, J&K*

The first ever one-day startup leadership conclave held at Jammu and Kashmir Entrepreneurship Development Institute, Pampore. Principal Secretary, Industries & Commerce Department, J&K Shri Prashant Goyal said that the start-up policy 2018 will be modified to make it more entrepreneurs friendly. The department will soon come up with a new start up policy which will holistically take into consideration needs and requirements of the start-ups. He added that there will be a provision of 5% land for start-ups, the discussion on the new policy is on and consultants are giving their feedback. The new policy will soon be in the public domain.

Shri Goyal said that they are also proposing a post graduate program in entrepreneurship at JKEDI. Apart from that a capsule course is also being designed for schools to be approved by the government.

Network of Indian Industries & Enterprises will Resolve All Qcos Relating Textile Technology

Ministry of Textiles announces the launch of 02 Quality Control Orders (QCOs) for 31 items consisting of 19 Geo Textiles and 12 Protective Textiles in Phase-I. These QCOs mark the first technical regulation from India for the Technical Textiles industry.

Out of the 31 items, 19 items belong to the Geo Textiles category, including* Laminated High Density Polyethylene (HDPE) Woven Geomembrane for Waterproof lining, PVC Geomembranes, Needle punched non-woven geobags, Polypropylene Multifilament woven geobags, Jute Geotextiles, Open Weave Coir Bhoovastra Geotextiles used in sub-grade separation in pavement structures, Geotextiles used in Subsurface Drainage Application, Geotextiles used in Sub-grade Stabilization in pavement structures, High Density Polyethylene (HDPE) Geomembranes for lining,

Geotextiles used as protection materials, Geotextiles for permanent erosion control in hard

armor systems, Geogrids for flexible pavements, Polymeric strip/geostrip used as soil reinforcement in retaining structures, Geogrids used in reinforced soil retaining structures, Reinforced HDPE membrane for effluents and chemical resistance lining, and Geocells.

The remaining 12 items are of Protective Textiles, including Curtains and Drapes, Upholstered composites used for non-domestic furniture, Protective clothing for firefighters, Protective gloves for firefighters, Protective clothing for industrial workers exposed to heat, Clothing made of limited flame spread materials and material assemblies affording protection against heat and flame, High visibility Warning Clothes, Protective Clothing for use in welding and allied processes, Tactical 3 point sling, Pouch for ammunition and grenades made of disruptive pattern nylon-66, Bullet resistant jackets, and Water-proof multipurpose rain poncho.

QCOs shall come into force immediately after 180 days from the date of its publication in the Official Gazette.

The conformity assessment requirements specified in these QCOs are equally applicable to domestic manufacturers as well as foreign manufacturers who intend to export their products to India. Ministry of Textiles is *planning to issue 02 more QCOs for* 28 items in Phase-II, including 22 items of Agro Textiles and 06 items of Medical Textiles. In Phase-III, 30+ more Technical Textiles items may be considered for QCO issuance.

□□□

# News Update

## SIDBI to give loans to MSMEs for buying electric vehicles; lend to NBFCs for EV financing

EV sales in India had crossed the 1 million mark in FY23 with 11,52,021 units sold, up 58 per cent from 7,26,861 units sold in FY22.

MSMEs finding it difficult to access loans to purchase electric vehicles (EVs) for their day-to-day operations and commercial use will now be able to access credit directly from SIDBI, the principal financial institution for MSMEs in India. As per a pilot scheme Mission 50,000-EV4ECO announced under guidance from NITI Aayog, SIDBI has said that it will directly give loans to eligible MSMEs (including EV fleet operators, EV leasing companies and aggregators) to buy EVs including two-wheelers, three-wheelers and four-wheelers and also to develop charging infrastructure including battery swapping.

According to SIDBI, a detailed discussion with stakeholders revealed that access to adequate finance including a competitive rate of interest is a challenge faced by MSMEs in buying EVs and also by NBFCs catering to the EV ecosystem.

□□□

## SIDCO Tamilnadu Plans to Give Lease Land for 99 Years

The SIDCO was formed to develop MSME units. It also allocated the land on sale deed basis to all MSMEs Firms. Now SIDCO is planning to provide lease land for 99years which will affect all the MSME industries growth. also no industries will put forward to put industries in Industrial Estates because of SIDCO LEASE activity. Hence the TN State Unit decided to give representation at District Administration to reconsider and reinstate old system in the interest of industries.

□□□

## कैट ने राष्ट्रीय डिजिटल नागरिक फोरम लॉन्च किया

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने राष्ट्रीय डिजिटल नागरिक फोरम के निर्माण की घोषणा की जो एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य व्यापारियों और उपभोक्ताओं और समाज के अन्य वर्गों के अधिकारों को आगे बढ़ाना और भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था व्यापार के नीतिगत संवाद को आकार देना है। इसके साथ सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट तंत्र को बनाए रखते हुए एक ट्रिलियन-डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने के भारत सरकार के दृष्टिकोण को हासिल करने में अपनी सहभागिता को भी दर्ज कराना है। फोरम का शुभारंभ केंद्रीय एमएसएमई मंत्री श्री नारायण राणे ने 19 अप्रैल को नई दिल्ली में कैट के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में किया। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बीसी भरतिया और महामंत्री श्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण, ऑनलाइन सुरक्षा, डिजिटल कार्टेलाइजेशन के नुकसान और ऑनलाइन दुनिया में भेदभावपूर्ण और प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं को हतोत्साहित करना, कर चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी अवैध गतिविधियों को रोकते है। तथा ब्लॉकचेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का अध्ययन करेगा।

□□□

## बनासकांठा जिले में उद्यमी सम्मेलन आयोजित हुआ

लघु उद्योग भारती बनासकांठा जिले का उद्यमी सम्मेलन पालनपुर में 29 अप्रैल को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उद्योगों के सामने आ रही समस्याओं पर चर्चा की गयी। सम्मेलन मे गुजरात सरकार के उद्योग मंत्री श्री बलवंत सिंह राजपूत, अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी, अखिल भारतीय महामंत्री श्री घनश्याम ओझा, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दर सालूजा, कर्णावती संभाग अध्यक्ष श्री जयेशभाई पाण्डेय, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वजूभाई वघासिया, श्री अनिकेत भाई, श्री शिवराम भाई, श्री धवल भाई सहित विभिन्न स्थानों से 300 से अधिक उद्यमी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बनासकांठा जिले मे 5 नई इकाईयां पालनपुर क्षेत्र, पालनपुर शहर, धनीयाणा चोकड़ी, चडोतर, डीसा एवं 6 संयोजक इकाईयां दाता, दियोदर, धानेरा, थराद, वडगाव, दातीवाड़ा के पदाधिकारियो व संयोजकों की घोषणा की गयी। साथ ही मलाणा पदरीया, खेमाणा टोलनाका, अमीरगढ़ व चंडीसर इकाईयों के वर्ष 2023-25 के लिये नये पदाधिकारियों की घोषणा की गयी।

□□□

# LUB's News in Brief

## Tamilnadu Unit Conducts its EC

LUB's TN State Unit conducted its meeting Online of Executive Committee held to discuss opportunities and challenges of MSMEs and Membership Development on 16th April. All EC Members including Unit President and Secretaries participated.

## Chennai Unit Discussed on Current Issues of MSMEs

LUB's Chennai Unit conducted a meeting to discuss current issues of MSMEs including Banking issues, NPA Norms, CGTMSE charges, recent Budget amendment on Payment to MSEs on 12th April. More than 25 EC members from Chennai, Kanchipuram, Tirivallur and Chengelpat districts participated. On this occasion, former national president Shri OP Mittal also contributed his valuable suggestions.

## Valuable Video Released on MSMEs by Union Minister Rane

Chief Minister Goa Dr. Pramod Sawant and Union Minister MSME Shri Narayan Rane unveiled a special video on how SMEs can create a BIG impact on 16th April. With more than 700+ SME owners benefiting from the SME IPO initiative by the BSE SME and NSE Emerge - National Stock Exchange,

Why one Should Consider SME-IPO for Raising Funds

- Open for Newer, Small & Emerging Companies
- Simpler & Relaxed Eligibility Criteria
- Multiply Valuation Many Times Over
- Progress to Becoming a Wealthy Company
- Enhanced Brand Value & Recognition.

## North Bangal Unit met with FM

LUB North Bengal Unit had an opportunity to meet and discuss with Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman at Bagdogra airport about TDS challan creation for different head that should be easy. Now it has been simplified.

## जयपुर अंचल में दो उत्पाद समूह इकाइयां गठित

एलयूबी जयपुर अंचल में हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट) व रत्न-आभूषण (जेम्स व ज्वैलरी) उत्पाद समूह इकाइयों का गठन 16 अप्रैल को किया गया। हस्तशिल्प उत्पाद समूह का संयोजक श्री बलदेव राठी, सह संयोजक श्री रोहित कुमार, श्री कैलाश कर्वा और श्री जितेन्द्र माहेश्वरी को बनाया गया। रत्न-आभूषण उत्पाद समूह इकाई का संयोजक श्री सुमेरमल मोसूण, सह संयोजक श्री मातादीन सोनी, श्री बृजेश कुलथिया और श्री श्यामसुंदर सोनी को बनाया गया। लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, प्रदेश महामंत्री श्री मुकेश अग्रवाल, जयपुर अंचल अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग और प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अरूण जाजोदिया उपस्थित थे।

## जयपुर में कौशल विकास केंद्र शुरू

एलयूबी जयपुर अंचल महिला इकाई के कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन जयपुर के महेश नगर स्थित बैंक कॉलोनी में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने किया। सेंटर में सिलाई, ब्यूटीशियन और मेहंदी तीनों कोर्स निशुल्क सिखाए जाएंगे। केंद्र का उद्देश्य महिला स्वरोजगार शुरू करवाना है। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ताराचंद गोयल, इकाई अध्यक्ष सुश्री सुनीता शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती रमा अग्रवाल और श्रीमती वैशाली वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष सुश्री रचित अगनानी उपस्थित रहे।

## सीकर की नव कार्यकारिणी का गठन

सीकर इकाई की मासिक बैठक 13 अप्रैल को हुई। इसमें वर्ष 2023-24 के लिए श्री कमल किशोर डोलिया को अध्यक्ष, श्री कृष्ण पुरोहित को सचिव व श्री रामअवतार अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। जयपुर अंचल के कार्यवाहक महासचिव श्री सुशील काबरा व जटावली इकाई के अध्यक्ष श्री अशोक जांगिड़ इस अवसर पर उपस्थित रहे।

## अलवर में स्थापना दिवस पर किया रक्तदान

एलयूबी स्थापना दिवस पर अलवर इकाई ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कुल 52 यूनिट ब्लड का संग्रह हुआ जिसमें चार नेगेटिव ब्लड ग्रुप भी प्राप्त हुए, जिसकी विशेष आवश्यकता थी।

## चौमूं में स्थापना दिवस लिया संकल्प

एलयूबी चौमूं इकाई ने स्थापना दिवस पर अध्यक्ष श्री हंसराज जांगिड़ और सचिव श्री आलोक जांगिड़ की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया और हर महीने इकाई की मीटिंग करने और चौमूं में एग्रीकल्चर व्यापार मंडल की स्थापना करने का संकल्प लिया।

## नई इकाई नीमकाथाना का गठन

लघु उद्योग भारती जयपुर अंचल में नीमकाथाना में नई इकाई का गठन 14 अप्रैल को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी ने नवगठित कार्यकारिणी का मार्गदर्शन किया।

## कोटा में एमएसएमई स्कीम पर की चर्चा

स्थापना दिवस पर कोटा इकाई, कोटा उत्तर एवं महिला इकाई द्वारा विभिन्न शासकीय विभागों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री गोविंदराम मित्तल ने संगठन की कार्य पद्धति और एमएसएमई हेतु उपलब्ध विभिन्न प्रोत्साहन स्कीम की जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष श्री यशपाल भाटिया, श्री विपिन सूद, श्रीमती श्वेता जैन एवं श्रीमती सीमा मूंदड़ा सहित उद्यमीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान भी किया गया।

## उदयपुर महिला इकाई ने किये सेवा कार्य

लघु उद्योग भारती की स्थापना दिवस के अवसर पर उदयपुर महिला इकाई द्वारा सेवा कार्य किया गया एवं सात नये सदस्यों का स्वागत किया गया।

## भीलवाड़ा में कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन

एलयूबी स्थापना दिवस के अवसर पर भीलवाड़ा महिला इकाई ने कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम रखा जिसे श्री गोविंद गौड़ ने संबोधित किया। इस अवसर पर सभी सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र वितरित किये गए। कार्यक्रम में इकाई समन्वयक श्री संजीव चिरानिया, अध्यक्ष श्रीमती विमला मुणोत, सचिव श्रीमती चंदा मूंदड़ा और कोषाध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लड्ढा सहित महिला उद्यमीगण उपस्थित थी। सुश्री शिखा अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

## रामगंजमंडी में श्रमिकों का किया स्वागत

एलयूबी राजस्थान की रामगंजमंडी इकाई ने संगठन के स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सह कार्यवाह श्री गिरिराज अहीर रहे। भगवान विश्वकर्मा के पूजा अर्चन के बाद सचिव श्री हुकमी चंद सोमाणी ने संगठन के बारे में जानकारी दी और अध्यक्ष श्री भानु जैन, संरक्षक श्री यतीश अग्रवाल और श्री सुरेश पोरवाल ने फैक्ट्री में उपस्थित श्रमिकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया।

# किशनगढ़ में महिला इकाई व हैण्डीक्राफ्ट उत्पाद समूह गठित

लघु उद्योग भारती अजमेर जिले के किशनगढ में 70 सदस्यों के साथ महिला इकाई व हैण्डीक्राफ्ट उत्पाद समूह का गठन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी, अखिल भारतीय महासचिव श्री घनश्याम ओझा, अजमेर सांसद श्री भागीरथ चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़, प्रदेश महासचिव श्री मुकेशचन्द अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती अंजूसिह, चितौड़ प्रान्त अध्यक्ष श्री योगेन्द्र शर्मा, महामंत्री श्री पवन गोयल, जयपुर महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री सुनिता शर्मा, इकाई अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा, सचिव श्री उमेश गोयल, अजमेर इकाई अध्यक्ष श्री अजीत अग्रवाल, सचिव श्री प्रवीण गुप्ता, किशनगढ़ मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष श्री सुधीर, श्री राकेश पहाड़िया सहित अनेक उद्यमी उपस्थित रहे। महिला इकाई में अध्यक्ष श्रीमती संतोष बजाज व सचिव श्रीमती रिन्कू मालपानी एवं हैण्डीक्राफ्ट संयोजक श्री अनिरूद्ध जैन, सचिव श्री राकेश वरमेचा व संयोजक श्री आशुतोष शर्मा को बनाया गया।

**किशनगढ़ महिला इकाई ने किया मंथन**

एलयूबी किशनगढ़ महिला इकाई की पहली बैठक में सदस्यों का परिचय हुआ। बैंकिंग प्रणाली, सरकारी योजनाओं, वेस्ट प्लास्टिक प्रोडक्ट्स एवं आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सा पद्धति के बारे में विशेष-सत्र आयोजित करने पर चर्चा की गई। महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती संतोष बजाज ने बताया कि स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर में इकाई के सदस्यों ने 37 यूनिट रक्तदान की। शिविर में संचित रक्त जनाना हॉस्पिटल, अजमेर को भेंट किया गया।

□□□

# ब्यावर में नवीन कार्यकारिणी गठित

ब्यावर इकाई का पारिवारिक स्नेह मिलन और नवीन कार्यकारिणी का दायित्व ग्रहण कार्यक्रम अखिल भारतीय महासचिव श्री घनश्याम ओझा की गरिमामय उपस्थिति में 16 अप्रैल को आयोजित हुआ। ब्यावर इकाई में 68 नए सदस्य बनाए एवं वर्ष 2023-25 की घोषणा की गई। निवर्तमान अध्यक्ष श्री दीपक झंवर ने विस्तृत परिकल्पना प्रस्तुत की। सचिव श्री विजय मेहता इकाई के सभी कार्यकलापों से अवगत कराया। अध्यक्ष पद पर श्री सचिन नाहर, सचिव श्री विजय मेहता एवं कोषाध्यक्ष पद पर श्री सुनील ईनाणी को मनोनीत किया गया। अध्यक्ष श्री सचिन नाहर ने FINE, SUPER FITLUB की विस्तृत विवेचना प्रस्तुत की. महिला इकाई सचिव श्रीमती उर्वशी भारद्वाज ने संगठन में महिलाओं की भागीदारी

का सुदर ।चत्रण प्रस्तुत ।कया।

**ब्यावर इकाई ने की फूड इंडस्ट्री पर चर्चा**

औद्योगिक नगरी ब्यावर में फूड इंडस्ट्री-न्यूएंटरप्राइजेज विषयक कार्यक्रम में फूड इंडस्ट्री को स्थापित करने पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता श्री राधेश्याम चोयल थे, अध्यक्षताबैंक ऑफ बड़ौदा डिप्टी आरएम श्रीराजेश माथुर ने की। रीको के सीनियर आरएम श्रीआदित्य शर्मा, इकाईअध्यक्ष श्री सचिन नाहर,जिला प्रभारी श्री दीपक झंवर, प्रदेश कार्यसमिति श्री अजय खंडेलवाल भी उपस्थितरहे। सेमिनार संयोजक श्री गौरव मूंदड़ा ने बताया बिजनेस एंटिटी,FSSAI लाइसेंस, पूंजीकी आवश्यकता जॉब वर्क, श्रम की व्यवस्था, सरकारी सब्सिडी सहित सभी बिंदुओं की जानकारी दी गई। फूड इंडस्ट्री में बेकरी प्रोडक्ट, चिप्स,नमकीन, डिहाइड्रेशन प्लांट,मोबाइल क्लीनिंग व प्रोसेसिंग यूनिट के साथ इसबगोल फसल के प्रसंस्करण यूनिटपर भी उन्होंनेध्यान केन्द्रित किया ।सेमिनारमें मिनरल इंडस्ट्रीके 40×60के सेटअप को फूड इंडस्ट्री में कैसे कन्वर्ट कियाजाए, इस पर जानकारी साझा की। अंत में Hobbies, Health और Happines का मंत्र देते हुए उन्होंने कार्य करने का सुझाव दिया।

□□□

# ब्यावर इकाई ने स्थापना दिवस पर किया सेवा कार्य

लघु उद्योग भारती की स्थापना दिवस 25 अप्रैल को ब्यावर एवं महिला शाखा के तत्वावधान में संजय इंक्लूसिव स्कूल ब्यावर में सेवा कार्य किया गया। स्कूल को 5 व्हाइट बोर्ड प्रदान किए गए, जिनका उपयोग स्कूल में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के लिए किया जाएगा। साथ ही 165 दिव्यांग विद्यार्थियों को अल्पाहार भी वितरण किया गया। स्कूल के व्यवस्थापक श्री रणसिंह चीता ने स्कूल की पूरी कार्यप्रणाली से अवगत कराया। □□□

# संगठन दिवस पर राजसमंद में कार्यशाला और सेवा कार्य संपन्न

लघु उद्योग भारती राजस्थान की राजसमंद इकाई ने स्थापना दिवस को तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में मनाया। 24 अप्रैल को सामूहिक श्रीनाथजी मंगला दर्शन एवं गोवर्धन परिक्रमा की गई। 25 अप्रैल साइबर सिक्योरिटी एवं ऑडिट ट्रैल पर कार्यशालाएं आयोजित की गई। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट श्री अभिनीत चौधरी ने विभिन्न प्रकार के साइबर हमलों के बारे में जानकारी साझा की जैसे रैनसमवेयर, स्पाइवेयर और एडवेयर मैलवेयर वाइरस वर्म्स व ट्रोजन अटैक, फिशिंग अटैक, विशिंग अटैक इत्यादि।उन्होंने मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए मोबाइल एप्लीकेशन सुरक्षा, मोबाइल बैंकिंग ट्रोजन, जासूसी उपकरण और जूस जैकिंग हमले के खिलाफ सुरक्षा के बारे में बताया गया तथा मोबाइल फोन खो जाने या चोरी हो जाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही को भी समझाया।

कार्यशाला में बैंकिंग फ्रॉड्स, ईमेल फ्रॉड्स, मेसेज लिंक द्वारा किए गये फ्रॉड्स, पेटीएम गूगल पे इत्यादि द्वारा किए गये ऑनलाइन भुगतान के बारे में विस्तार से बताया गया और फ्रॉड से बचने की उक्ति भी प्रायोगिक रूप से सभी के मोबाइल फोन एवं ईमेल अकाउंट पर करके बतायी गई।

दूसरी कार्यशाला में मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स द्वारा लागू की गई ऑडिट ट्रेल सॉफ्टवेर की अनिवार्यता पर श्री अजय कर्णावत ने प्रकाश डाला गया। 26 अप्रैल को औद्योगिक क्षेत्र के विद्यालय में सहयोग कर सेवा दिवस के रूप में मनाया।

□□□

# बारां इकाई ने वरिष्ठ उद्यमी जनों का किया स्वागत

लघु उद्योग भारती राजस्थान की बारां इकाई ने स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया द्य अध्यक्ष श्री वेदप्रकाश टक्कर ने सगंठन के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ उद्यमी श्री राधेश्याम पारीक एवं कमल सिंह ठाकुर का शाल एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। इकाई में नये सदस्यों का स्वागत किया गया। लघु उद्योग भारती की जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारणी बैठक में चितौड़ प्रांत के महासचिव बारां के श्री पवन गोयल ने भाग लिया।

□□□

# जोधपुर की नोखा शहर इकाई का गठन

जोधपुर अंचल में बीकानेर जिले के नोखा शहर की इकाई का गठन 34 सदस्यों के साथ किया गया। इकाई अध्यक्ष श्री किशनलाल काकरिया, श्री ओमप्रकाश भांभू सचिव, श्री अनिल जैन कोषाध्यक्ष, श्री अशोक सारण उपाध्यक्ष मनोनीत हुए। इस कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल एवं जोधपुर अंचल सचिव श्रीमती बिंदु जैन उपस्थित थे। श्री शिवचरण बेलू ने इकाई गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

□□□

# गंगानगर इकाई ने किया युवा उद्यमियों को सम्मानित

लघु उद्योग भारती गंगानगर इकाई द्वारा लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस पर उद्यमी सम्मान समारोह रखा गया इसके अंतर्गत पांच युवा उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

□□□

# हनुमानगढ़ टाउन और जंक्शन इकाइयों का हुआ गठन

लघु उद्योग भारती हनुमानगढ़ टाऊन और जंक्शन इकाइयों का गठन फूडग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित विशेष

बैठक में किया गया श्री सुभाष सिंगला टाऊन व श्री उमाशकर जंक्शन इकाई अध्यक्ष नियुक्त किये गए. जंक्शन में सचिव श्री अमन गोयल व उपाध्यक्ष श्री विजय वर्मा को नियुक्त किया गया।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल व प्रान्त सचिव श्रीमती बिन्दु जैन उपस्थित रहे। स्थापना दिवस पर सेवा कार्य के अंतर्गत गौशाला में चारा भिजवाया, परिंडे लगाए और पौधारोपण का कार्य भी किया गया। □□□

## मंडोर इकाई ने उद्यमियों को किया सम्मानित

एलयूबी जोधपुर अंचल की मंडोर इकाई ने 25 अप्रैल को लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस के उपलक्ष पर विभिन्न क्षेत्रों के सफल उद्यमियों को सम्मानित किया। श्री कुशालचंद धारीवाल, श्री सुरेश गहलोत, श्री राजूराम गहलोत, श्री दिलीप गहलोत व श्रीमती चंद्रशेखर फोफलिया का मालार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इकाई अध्यक्ष श्रीमती मंजू सारस्वत, सचिव श्री पूनमचंद तंवर, उपाध्यक्ष श्री घनश्याम खत्री, कोषाध्यक्ष श्री दीनदयाल बाहेती, महिला इकाई उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शर्मा, श्री दिनेश सोनी, श्री राजेश डागा, श्री सुमित कोठारी सहित गणमान्य उद्यमी उपस्थित थे।

□□□

## बालोतरा इकाई ने विशेष बच्चों संग मनाया स्थापना दिवस

लघु उद्योग भारती बालोतरा इकाई ने विशेष बच्चों के बीच में खुशियां बांट कर स्थापना दिवस मनाया। विशेष बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सवेरा संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्य में सहयोग किया गया। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष श्री प्रवीण महाजन, प्रांत उपाध्यक्ष श्री महेंद्र श्रीमाल, पूर्व अध्यक्ष श्री नरेश, पूर्व अध्यक्ष श्री सरजू प्रसाद गर्ग, श्री अशोक हुंडिया, श्री पंकज छाजेड़, श्री कमलेश ढेलडिया, श्री विनोद सिंघवी, श्री नितेश गोगड़, श्री अविनाश गोलेछा आदि उद्यमी मौजूद रहे।

□□□

## जोधपुर में हुआ वरिष्ठ उद्यमी जनों का सम्मान

लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस पर जोधपुर महानगर द्वारा वरिष्ठ उद्यमी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक सदस्य, पूर्व अध्यक्ष श्री मेघराज लोहिया, श्री के एल माथुर, श्री पारसमल जैन, श्री सुधीन्द्र दुगड, श्री राजेंद्र राठी का शाल, साफा पहनाकर व श्रीफल देकर अभिनन्दन किया गया। जोधपुर महानगर अध्यक्ष श्री गौतम जीरावला ने बताया कि स्थापना दिवस को सदस्य वृद्धि दिवस और सेवा कार्यों का आयोजन कर मनाया।

एलयूबी मंडोर एवं सूरसागर इकाई द्वारा भी वरिष्ठ उद्यमी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मंडोर इकाई द्वारा श्री कुशालचन्द धारीवाल, श्री सुरेश गहलोत, श्री राजूराम गहलोत, श्री दिलीप गहलोत, श्री चन्द्रशेखर फोफलिया एवं श्रीमती ललिता जैन का स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

□□□

## जोधपुर प्रांत कार्यकारिणी बैठक में कई गंभीर मुद्दों पर हुई चर्चा

जोधपुर प्रांत कार्यकारिणी बैठक में प्रांत अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने संगठनात्मक उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना के बारे मे जानकारी दी. इकाई प्रतिनिधियों द्वारा पिछले सत्र 2022-23 मे किये गये उल्लेखनीय कार्यों, तय लक्ष्य के अनुरूप सदस्यता अभियान, उद्योगों से संबंधित विभिन्न समस्याओं व सुझावों पर चर्चा एवं आगामी नये वित्तीय वर्ष 2023- 24 के लिये कार्ययोजना, कार्यक्रमों व उसके सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गयी।

सचिव श्रीमती बिन्दू जैन ने श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ इकाई की गतिविधियों व वहां की समस्याओं के बारे में बताया। जोधपुर

महानगर उपाध्यक्ष श्री एचके गर्ग व श्री पंकज भण्डारी ने उद्योगों की रीको, विद्युत विभाग, जल, ई-वे बिल, जीएसटी टैक्स स्लैब कम करने के लिए आग्रह किया। हैण्डीक्राफ्ट उद्यमियों के लिये केन्द्र द्वारा जारी की गयी नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी के बारे मे जानकारी दी और ईपीसीएच के एमएसएमई सेक्टर के लिये केयर सीजीएसटी, वैट एवं एक्सपोर्ट की भिन्न योजनाओ के बारे मे जानकारी दी।

महिला इकाई कोषाध्यक्ष श्रीमती मोना हरवानी ने स्वयंसिद्धा मेले के बारे में बताया। बोरानाड़ा इकाई सचिव श्री किशोर हरवानी ने बोरानाड़ा का वृत्त रखा।

संगरिया इकाई सचिव श्री रवि गुप्ता ने दिल्ली में आयोजित प्लास्टिक उद्यमियों के साथ किये गये प्रयासों की जानकारी दी। अध्यक्ष श्री धनंजय टिलावत ने सांगरिया क्षेत्र की समस्याओं व किये गये निराकरण के बारे में बताया। मंडोर इकाई अध्यक्ष श्रीमती मंजू सारस्वत ने इकाई का वृत्त रखा और आयोजित कार्यक्रम व सदस्यता के बारे मे जानकारी दी। कार्यकारिणी सदस्य श्री महेन्द्र कांकरिया व श्री मनीष माहेश्वरी ने प्लास्टिक उद्योगों से संबंधित जानकारी रखी। श्री सुरेश मुथा ने कॉर्पोरेट सेक्टर में सिबिल को लेकर आ रही समस्याओं को बताया। श्री अशोक गहलोत ने सूरसागर इकाई के खान एवं पर्यावरण संबंधित विषय रखे।

□□□

## नव महिला सदस्यों का किया स्वागत

लघु उद्योग भारती महिला इकाई जोधपुर महानगर की ओर से 17 नये महिला सदस्यों का स्वागत दुपट्टा ओढ़ाकर व परम्परागत तिलक व मौली बांधकर किया। महिला उद्यमिता विकास, महिला स्वरोजगार व उद्योगों से संबंधित जानकारी देने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। □□□

## म.प्र. के महाकौशल संभाग में रीवा इकाई गठित

म.प्र. के महाकौशल संभाग की ग्यारहवीं इकाई का गठन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने बताया कि विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का एक तिहाई भारत के लघु उद्योग हुआ करते थे। वर्तमान में विदेशों से आयात होने वाली वस्तुओं को चिन्हित कर उन्हें भारत में ही बनाये जाने के लिये संगठन प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में रीवा विधायक श्री राजेंद्र शुक्ला ने क्षेत्र में नये उद्योग लगाने और समस्याओं के निराकरण के लिये हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया। इस नवीन इकाई में श्री उपदेश पंसारी को अध्यक्ष व श्री राहुल द्विवेदी को सचिव मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय सचिव श्री समीर मूंदड़ा, प्रदेश महामंत्री श्री अरुण सोनी, एमएसएमई के डायरेक्टर श्री रोहित सिंह, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित 500 लोगों की उपस्थिति रही। □□□

## बुरहानपुर ने आयोजित किया MSME कॉन्क्लेव

लघु उद्योग भारती, बुरहानपुर इकाई ने सात अप्रैल को MSME कॉन्क्लेव आयोजित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश गुप्ता, अपर सेकेटरी MSME श्री शशिभूषण सिंह, राष्ट्रीय सचिव श्री समीर मूंदड़ा उपस्थित थे। उद्यमी श्री रोशन शाह ने इंडस्ट्रीयल सोलर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री महेश गुप्ता ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। श्री समीर मुंदड़ा ने छोटे कारीगरों और कामगारों के लिए छोटे छोटे उद्योग स्थापित कर उनको रोजगार देकर स्वावलंबी बनाने पर जोर दिया। IAS श्री शशिभूषण सिंह ने MSME मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवम मंत्रालय द्वारा कारीगरों को दी गयी सब्सिडी की जानकारी दी। राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद्र जी ने बताया पहले भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था, यहाँ का बना कपड़ा मैनचेस्टर में काफी पसंद किया जाता था और उस दौर में भारत विश्व गुरु हुवा करता था किन्तु अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना कर यहा का व्यापार खत्म किया।

आज फिर से भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। इसलिए सब व्यापारियों को मिलकर बड़े स्तर पर काम कर भारत की समृद्धि में योगदान देना चाहिए। साथ ही लघु उद्योग भारती में महिलाओं को भी सदस्य बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मेहुल जैन एवं श्री श्याम आडवाणी ने किया।कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री धनेंद्र पुरोहित, श्री रवि पोद्दार, श्री वेदांत मित्तल, श्री प्रदीप तोदी, श्री सुमित सेठिया, श्री प्रमोद जैन सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

□□□

## कटनी में स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

लघु उद्योग भारती की स्थापना दिवस के अवसर पर वरिष्ठ उद्यमी एवं नव उद्यमी सम्मान के रूप में मनाया गया जिसमें वरिष्ठ

उद्यमियों में श्री लोकचंद उधवानी, श्री रतन अग्रवाल, श्री ठाकुर दास रंगलानी एवं नव उद्यमी में श्री ऋषभ मित्तल, श्री हिमांशु असरानी एवं श्री गुलशन सुंदरानी का सम्मान किया गया। जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक श्री अजय श्रीवास्तव को उद्योग जगत को उनकी सेवाओं के लिए विशेष सम्मान दिया गया। कटनी शहर के वरिष्ठ ष्ट.. श्री संदीप पटोरिया के द्वारा बजट उपरांत जीएसटी, MSME नियम एवं इनकम टैक्स में आए बदलाव के बारे में एक कार्यशाला का संबोधन किया गया तथा संगठन ने कलेक्टर महोदय श्री अवी प्रसाद से प्रोत्साहित होकर 'अटल बाल मित्र योजना' के लिए 111111 रुपए की राशि सेवा कार्य के रूप में कुपोषित बच्चों के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री नयन सिंह को दान में दी।

□□□

## छत्तीसगढ़ में पेपर बैग्स का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के तहत भारत सरकार द्वारा लागू योजना से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ लघु उद्योग भारती की प्रदेश महामंत्री श्रीमती सीपी दुबे, ग्रामीण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती गीता वर्मा द्वारा हाउसिंग बोर्ड अंचल की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु 3 एवं 4 अप्रैल 2023 को दो दिवसीय आकर्षक पेपर बैग्स बनाने का प्रशिक्षण शुरू किया गया। श्रीमती प्रतिमा पारधी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। पिछले काफी समय से संगठन सूक्ष्म कुटीर, लघु उद्योगों में संलग्न महिला उद्यमियों के उत्थान हेतु भारत सरकार की क्रांतिकारी 'मुद्रा योजना' का लाभ उन तक किस प्रकार मिल सके इस ओर प्रयत्नशील है।

**उद्योगों में आने वाली समस्या, समाधान, नए अवसर तथा संगठन विस्तार**

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने वैश्विक पटल पर भारत के उद्योगों की स्थिति के विषय पर बहुत उपयोगी जानकारी देते हुए कहा कि हमें पुनः भारत को सोने की चिड़िया बनाने की दिशा में कार्य करना है। यदि हम जड़ों को मज़बूत नहीं बना पाएंगे, तो हम सब की स्थिति भी बोनसाई पौधे की तरह ही हो जायेगी, जिसमें ना फल लगते हैं ना फूल। श्री ओम प्रकाश सिंघानिया ने भी संगठन को मज़बूत बनाए रखने की बात कही। एमएसएमई से श्री उमेश, ज्वाइंट डायरेक्टर ने सरकार की विभिन्न योजनाओं को विस्तार पूर्वक समझाया। इस अवसर पर निवर्तमान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री गोपालकृष्ण अग्रावल एवं श्री सत्यनारायण अग्रवाल सहित सभी सक्रीय कार्यकर्ता उपस्थित थे। □□□

## काशी प्रांत की बैठक में उद्यमी-हित चर्चा

लघु उद्योग भारती उत्तर प्रदेश के काशी प्रांत की बैठक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुशील गुप्ता की अध्यक्षता में 13 अप्रैल को संपन्न हुई। उद्यमियों की समस्याओं और संगठन द्वारा उद्यमी हित में किए गए कार्यों पर चर्चा हुई।

**उद्यमियों को मंडी शुल्क में मिली छूटः** लघु उद्योग भारती काशी प्रांत की बैठक 21 अप्रैल को आयोजित हुई। जिसमें संगठन के प्रयास से उद्यमियों को मंडी शुल्क में मिली छूट की जानकारी दी गई। □□□

## सोनितपुर इकाई ने की जल व्यवस्था

लघु उद्योग भारती के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सोनितपुर इकाई ने जल सेवा प्रोजेक्टके अंतर्गत एक पियाउ का लोक कल्याण में निर्माण करवाया। □□□

*एलयूबी अहमदाबाद इकाई ने स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया।*

*छत्तीसगढ़ महिला इकाई की ओर से भिलाई में तीन दिवसीय रसायन आधारित उत्पाद प्रशिक्षण एवं कार्यशाला कार्यक्रम में 105 महिलाओं ने भाग लिया।*

ੴ ਸ੍ਰੀ ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ ਫ਼ਤਹਿ

# पंजाब एण्ड सिंध बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

पी.एस.बी

# Punjab & Sind Bank

(A Govt. of India Undertaking)

*जहाँ सेवा ही जीवन - ध्येय है*

## पीएस-बी अपना घर

G20 भारत 2023 INDIA

PSB UniC
You & I Connected
Mobile & Internet Banking Solution

* नियम एवं शर्तें लागू

https://punjabandsindbank.co.in

ई-मेल: ho.customerexcellence@psb.co.in

## पीएसबी अपना वाहन

* नियम एवं शर्तें लागू

1800 419 8300 (टोल फ्री)

हमारा अनुसरण करें @PSBIndOfficial

**UDYOG TIMES** | OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI | 30 April, 2023 | Registration No. RAGBIL/2016/69093 Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

LUB's Jansampark Adhikari Shri Krishna Gopal ji, National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji, National President Shri Baldev Bhai Prajapati, National General Secretary Shri Ghanshyam Ojha, National Treasurer CA Yogesh Gautam, J&K President Shri Praveen Pargal & Organizing Team on the Closing Ceremony of National Executive Committee at Jammu on 24-25 April, 2023.

LG J&K Shri Manoj Sinha and LUB's Jansampark Adhikari Shri Krishna Gopal ji Felicitated Entrepreneurs for their Quality Products at North Zone MSME Conclave &

LUB's Former Presidents- Shri Jitendra Gupt, Shri Vajubhai Vaghasia, Shri HVS Krishna, Shri OP Mittal & Present President Shri Baldev Bhai Prajapati were honored in the august presence of National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji at Jammu on Foundation Day 25th April, 2023.

Union Minister Shri Narendra Tomar, LUB's National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji, National President Shri Baldev Bhai Prajapati, National General Secretary Shri Ghanshyam Ojha, State President Shri Mahesh Gupta & State GS Shri Rajesh Mishra attended Gwalior Startup Conclave on 9th April, 2023.

LUB's Chennai Unit Conducted an Important Meeting to Discuss Current Issues of MSMEs on 12th April, 2023. Former National President Shri OP Mittal also gave his Valuable Suggestions.

Industry Minister (Gujarat) Sh. Balwant Singh Rajput, LUB's National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji, National General Secretary Shri Ghanshyam Ojha, Former National President Shri Vajubhai Vaghasia attended Udyami Sammelan organized by Banaskatha District Unit at Palanpur on 29th April, 2023.

*An In House Monthly Magazine of Laghu Udhog Bharti, Published by Om Prakash Mittal Printed at RAJ BLOCKS, B-81, Road No. 4, 22 Godown Industrial Area Kartapura, JAIPUR-302019*